भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 15 नवम्बर, 2025
जारी करने का समय:1315 घंटे

विषय: **(i) श्रीलंका तट के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब क्षेत्र बन गया है। इसके प्रभाव से तमिलनाडु के अलग-अलग स्थानों पर 16 और 17 नवंबर को भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है तथा दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में 17 नवंबर को।**

(ii) मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 15 से 17 नवंबर तक शीत लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है; उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर 15 और 16 नवंबर को तथा मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में 15 से 17 नवंबर तक।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 15 नवम्बर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- तमिलनाडु और केरल के अलग-अलग स्थानों पर **भारी वर्षा (7-11 सेमी)** दर्ज की गई है।
- मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में शीत लहर से **गंभीर शीत लहर** की स्थिति रही; हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति रही।
- न्यूनतम तापमान सामान्य से बहुत नीचे **(-5.1°C या उससे कम)** अलग-अलग स्थानों पर पूर्वी राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में। (परिशिष्ट IV देखें)
- घना कोहरा (दृश्यता 50-200 मीटर) ओडिशा के अलग-अलग स्थानों पर दर्ज किया गया।
- दृश्यता दर्ज (मीटर में): ओडिशा: कोरापुट और सुंदरगढ़ में 100 प्रत्येक।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- दक्षिण श्रीलंका और सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, आज 15 नवंबर 2025 को 0830 घंटे IST पर श्रीलंका तट के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब क्षेत्र बन गया है। संबंधित ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। यह अगले 24 घंटों के दौरान धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में गति करने की संभावना है।
- दक्षिण बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- दक्षिण केरल तट के पास दक्षिण-पूर्व अरब सागर में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- तमिलनाडु और केरल एवं माहे में 15 से 19 नवंबर तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ वर्षा तथा अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा संभावित; तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम तथा रायलसीमा में 17 और 18 नवंबर को; लक्षद्वीप में 15 नवंबर को; अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 18 से 21 नवंबर तक; तमिलनाडु में 16 और 17 नवंबर को अलग-अलग अति भारी वर्षा; दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में 17 नवंबर को।

- तमिलनाडु, केरल एवं माहे में 15 से 19 नवंबर तक बिजली के साथ गरज संभावित; तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम तथा रायलसीमा में 16 से 19 नवंबर तक; अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 15 से 19 नवंबर तक झोंकेदार हवाएँ (गति 30-50 किमी/घंटा तक) संभावित।

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे तक तापमान की स्थिति:

- न्यूनतम तापमान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कई स्थानों पर 6°C से कम; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर; पंजाब में कई स्थानों पर 7-10°C की रेंज में; पूर्वी राजस्थान, हरियाणा चंडीगढ़ एवं दिल्ली, पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर; उत्तर उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर।
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.4°C सीकर (पूर्वी राजस्थान) में दर्ज किया गया। (परिशिष्ट IV देखें)
- तापमान और शीत लहर तथा शीत दिवस चेतावनी का पूर्वानुमान:
- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 15 से 17 नवंबर तक शीत लहर की स्थिति संभावित; उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर 15 और 16 नवंबर को; मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में 15 से 17 नवंबर तक।
- उत्तर-पूर्व भारत में अगले 3 दिनों तक हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति संभावित।
- पूर्वी भारत में अगले 48 घंटों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं, उसके बाद 2-3°C की क्रमिक वृद्धि संभावित।
- देश के शेष हिस्सों में अगले सात दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 15 नवंबर से 19 नवंबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:
अरब सागर:
दक्षिण केरल तट के साथ-साथ और सटे लक्षद्वीप, मालदीव क्षेत्र, कोमोरिन क्षेत्र में 15 नवंबर को।
बंगाल की खाड़ी:
श्रीलंका तट के साथ-साथ और सटे क्षेत्रों में 15 और 16 नवंबर को; तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश तट और सटे समुद्री क्षेत्रों में 15 से 18 नवंबर तक; दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और सटे दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी क्षेत्रों में 15 नवंबर को; मन्नार की खाड़ी और सटे कोमोरिन क्षेत्र में 15 से 18 नवंबर तक; अंडमान सागर में 18 और 19 नवंबर को; दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 19 नवंबर को।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 15 से 18 नवंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

महत्वपूर्ण दर्ज वर्षा (सेमी में) (कल 0830 घंटे IST से आज 0830 घंटे IST तक):
- **केरल:** मावेलिकारा (जिला अलप्पुझा) 11, लाहा AWS (जिला पठानमथिट्टा) 7;
- **तमिलनाडु:** तिरुचेंदूर (जिला थूथुकुडी) 8, ऊथू (जिला तिरुनेलवेली), राधापुरम (जिला तिरुनेलवेली), कायलपट्टिनम (जिला थूथुकुडी) 7 प्रत्येक।

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**15- Nov**	**16- Nov**	**17- Nov**	**18- Nov**	**19- Nov**	**20- Nov**	**21- Nov**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक II

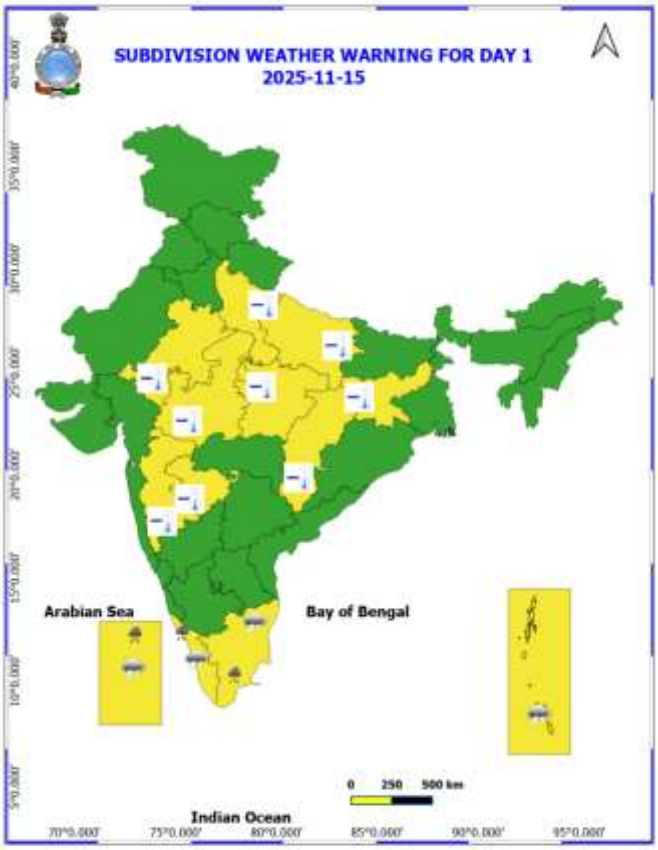
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-11-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

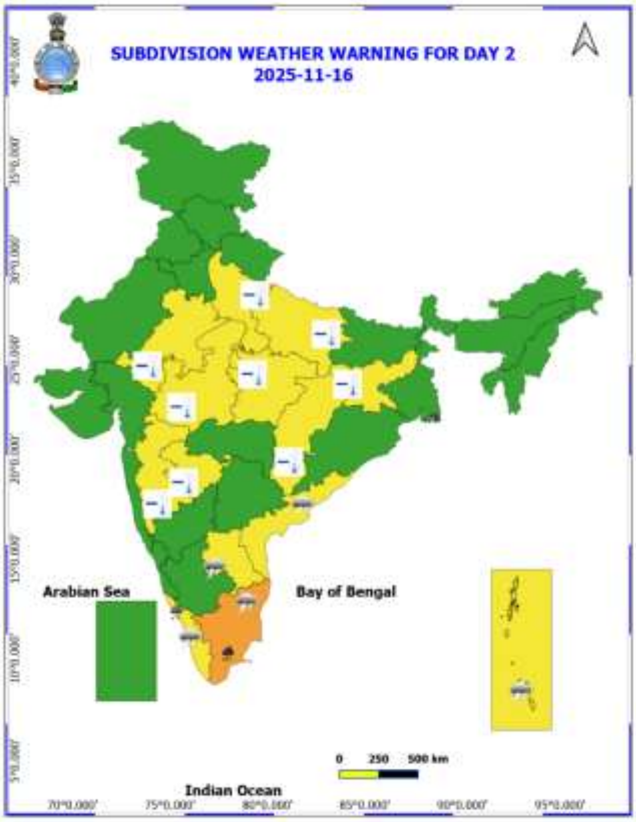
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-11-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

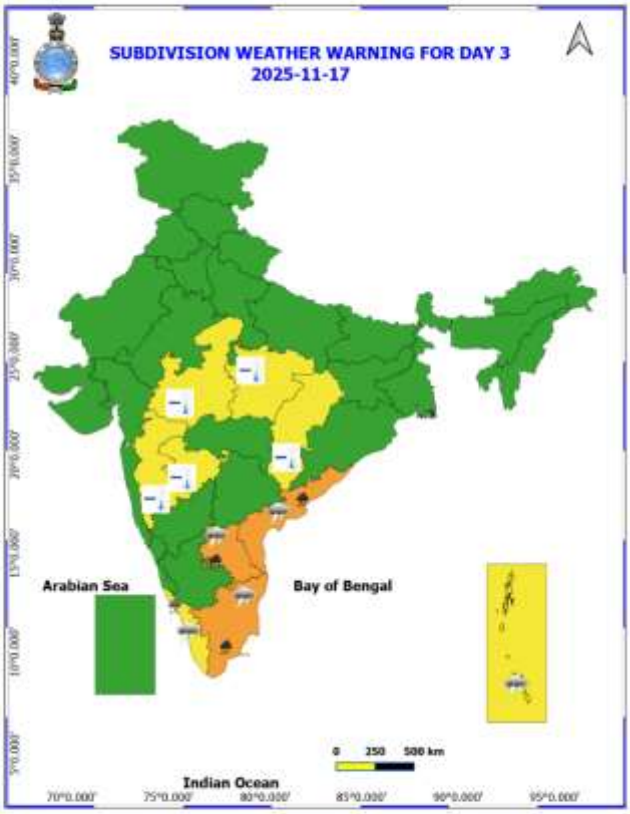
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-11-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

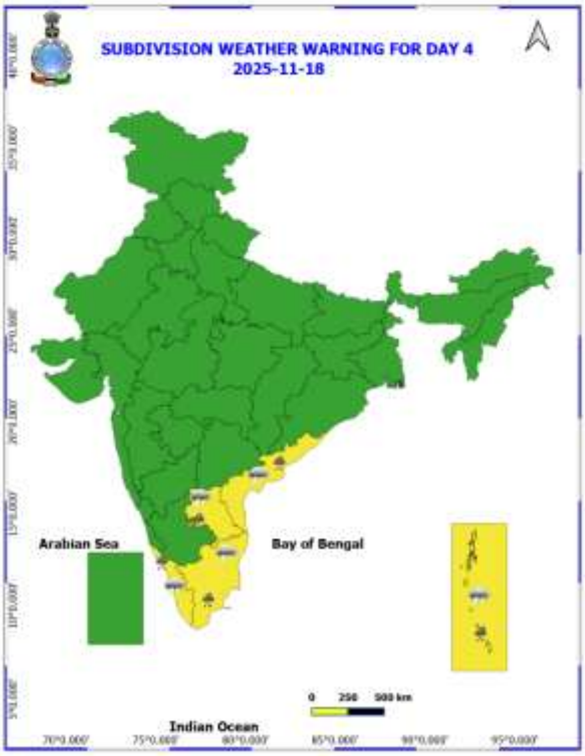

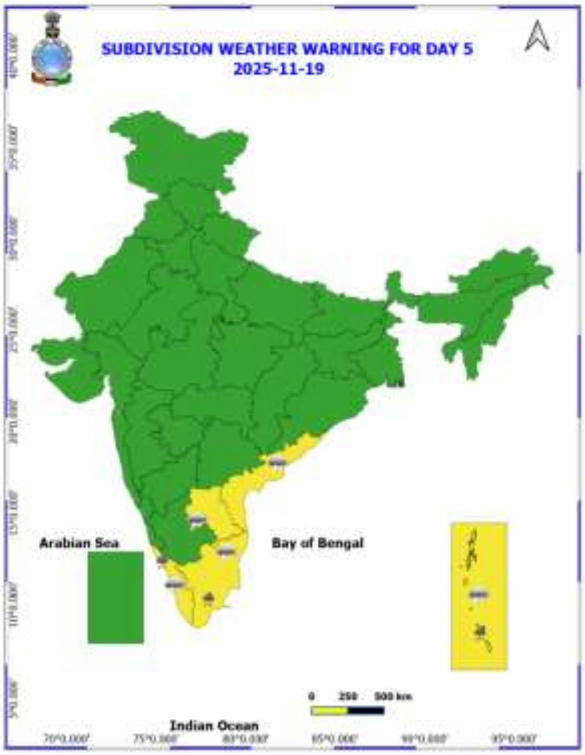

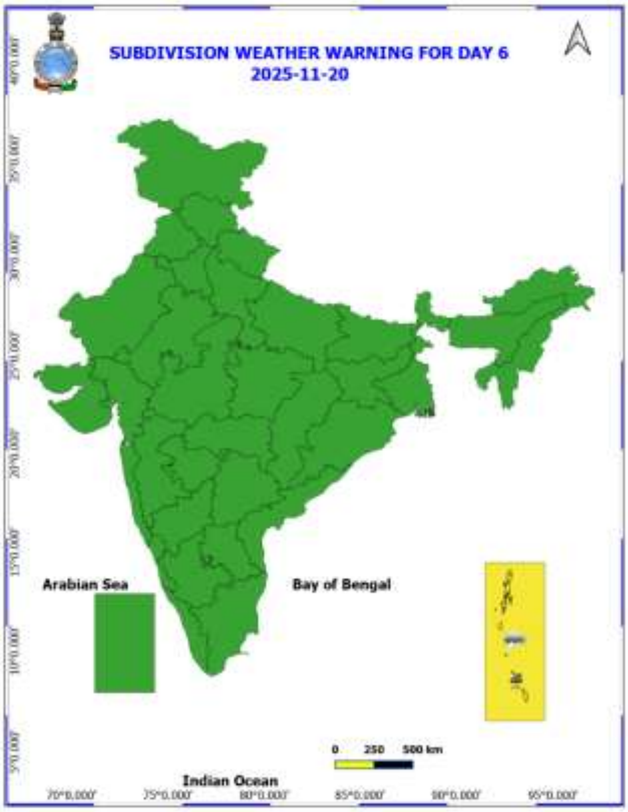

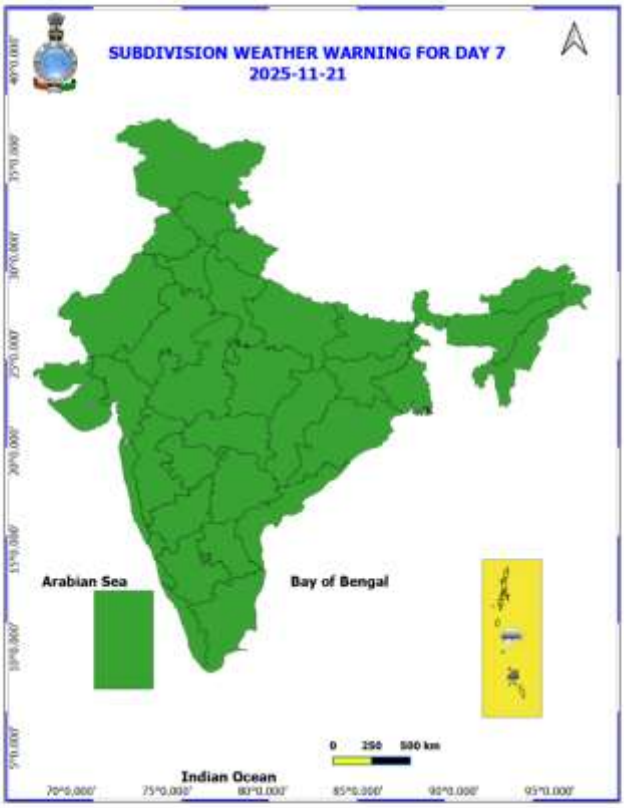

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

15 से 18 नवंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

बीता मौसम:

दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24 से 26°C और 09 से 11°C के आसपास रहे। न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3.0°C) और कुछ स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5.0°C) रहे। अधिकतम तापमान अधिकांश स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3.0°C) और अलग-अलग स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5.0°C) रहे। सफदरजंग हवाई अड्डे पर हल्का कोहरा दर्ज किया गया। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 15.11.2025 को 0730 घंटे IST से 0830 घंटे IST तक न्यूनतम दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई, जो इसके बाद सुधरकर 0900 घंटे IST पर 1000 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों में मुख्यतः साफ आकाश रहा, सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 14 किमी/घंटा तक की गति के साथ। आज सुबह के समय मुख्यतः साफ आकाश रहा, प्रारंभिक घंटों में शांत हवा रही जो धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा तक हो गई।

मौसम पूर्वानुमान:

15.11.2025: मुख्यतः साफ आकाश। रात में कुहरा/धुंध। अधिकतम तापमान 24 से 26°C की रेंज में। अधिकतम तापमान अधिकांश स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और अलग-अलग स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से दोपहर में 15 किमी/घंटा तक की गति के साथ रहेगी। हवा की गति शाम और रात में उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

16.11.2025: मुख्यतः साफ आकाश सुबह के समय धुआँ/हल्का कोहरा के साथ। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24 से 26°C और 09 से 11°C की रेंज में रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और कुछ स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C); अधिकतम तापमान अधिकांश स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और अलग-अलग स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से सुबह के प्रारंभिक घंटों में शांत, धीरे-धीरे बढ़कर सुबह में 08 किमी/घंटा तक। दोपहर में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक बढ़ जाएगी। शाम और रात में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 05 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

17.11.2025: मुख्यतः साफ आकाश। सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर धुआँ/हल्का कोहरा, अलग-अलग स्थानों पर मध्यम कोहरा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25°C और 08 से 10°C की रेंज में रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और कुछ स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C); अधिकतम तापमान अधिकांश स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और अलग-अलग स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से सुबह के प्रारंभिक घंटों में शांत, धीरे-धीरे बढ़कर सुबह में 08 किमी/घंटा तक। दोपहर में हवा की गति उत्तर दिशा से 10 किमी/घंटा तक बढ़ जाएगी। शाम और रात में हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 05 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

18.11.2025: आंशिक रूप से बादलयुक्त आकाश। सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर धुआँ/हल्का कोहरा, अलग-अलग स्थानों पर मध्यम कोहरा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25°C और 09 से 11°C की रेंज में रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और कुछ स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C); अधिकतम तापमान अधिकांश स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 से -3°C) और अलग-अलग स्थानों पर काफी नीचे (-3.1 से -5°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से सुबह के प्रारंभिक घंटों में शांत, धीरे-धीरे बढ़कर सुबह में 05 किमी/घंटा तक। दोपहर में हवा की गति उत्तर दिशा से 10 किमी/घंटा तक बढ़ जाएगी। शाम और रात में हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 05 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

अनुलग्नक IV

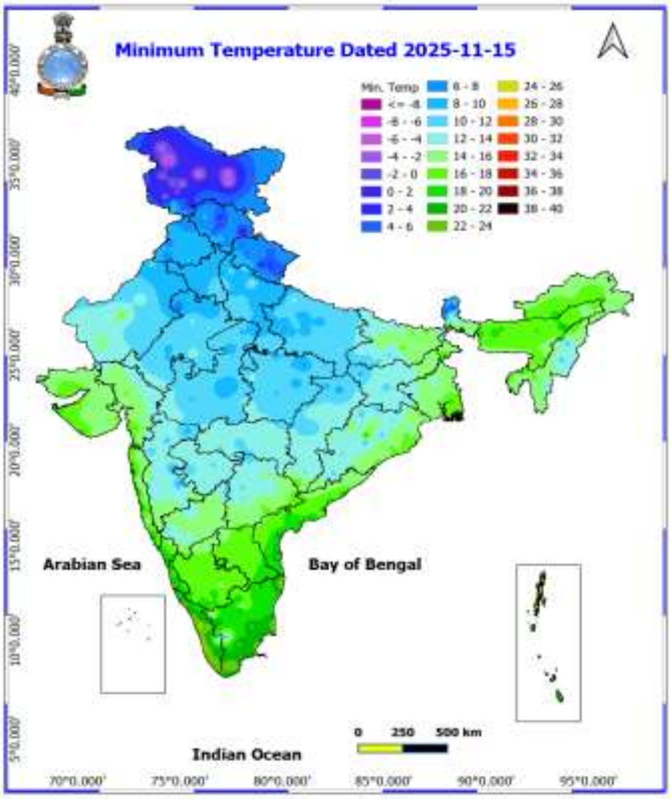

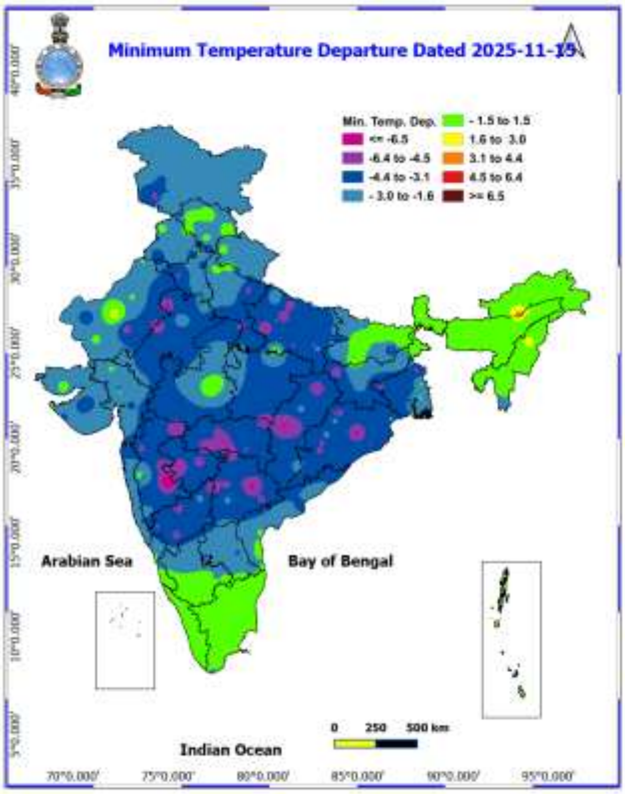

प्रभाव

एवं

सुझाई गई कार्रवाई

- **अलग-अलग स्थानों पर अति भारी वर्षा तमिलनाडु में** 16 **और** 17 **नवंबर को; दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम तथा रायलसीमा में** 17 **नवंबर को संभावित।**

संभावित प्रभाव

- **उपरोक्त क्षेत्रों के शहरी इलाकों में मुख्यतः सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जल-जमाव और अंडरपास बंद होना।**
- **भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।**
- **सड़कों पर जल-जमाव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, यात्रा समय में वृद्धि।**
- **कच्ची सड़कों को मामूली क्षति।**
- **कमजोर संरचनाओं को क्षति की संभावना।**
- **स्थानीय भूस्खलन/कीचड़ खिसकना/भू-धंसाव।**
- **जल-जमाव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को क्षति।**
- **कुछ नदी घाटियों में नदी किनारे बाढ़ हो सकती है (नदी बाढ़ के लिए** CWC **की वेबसाइट देखें)।**
- **सुझाई गई कार्रवाई**
- **गंतव्य के लिए निकलने से पहले अपने मार्ग पर यातायात जाम की जाँच करें।**
- **इस संबंध में जारी यातायात परामर्श का पालन करें।**
- **उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ जल-जमाव की समस्या अक्सर होती है।**
- **कमजोर संरचनाओं में रहने से बचें।**

शीत लहर/अत्यधिक शीत लहर की स्थिति के कारण अपेक्षित प्रभाव:

- शीत लहर की स्थिति मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और छत्तीसगढ़ में 15 से 17 नवंबर तक; उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर 15 और 16 नवंबर को संभावित।

संभावित प्रभाव:

- ठंड के लंबे संपर्क से फ्लू, बहती/बंद नाक या नाक से खून जैसी बीमारियाँ बढ़ने की संभावना।
- काँपना नजरअंदाज न करें। यह शरीर के गर्मी खोने का पहला संकेत है। घर के अंदर जाएँ।

- ठंड के लंबे संपर्क से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक या कान की लवों पर काले छाले पड़ जाते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट को तुरंत चिकित्सा की जरूरत होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।
- सुझाई गई कार्रवाई:
- कई परतों में ढीले, हल्के, गर्म ऊनी कपड़े पहनें।
- सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को अच्छी तरह ढकें क्योंकि इन हिस्सों से अधिकांश गर्मी निकलती है। एक मोटे कपड़े की बजाय कई परतों में हल्के ऊनी कपड़े पहनें। विटामिन-C युक्त फल और सब्जियाँ खाएँ और पर्याप्त गर्म तरल पदार्थ पिएँ ताकि प्रतिरक्षा बनी रहे।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या सीमित करें।
- यदि गीले हों तो तुरंत कपड़े बदलें ताकि शरीर की गर्मी न जाए। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे गर्म करें; त्वचा को जोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा काली पड़ जाए तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।
- हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें ताकि जहरीली गैस न साँस में जाए।
- बिजली और गैस हीटिंग उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें।
- कमजोर लोगों (बच्चे, बुजुर्ग) का विशेष ध्यान रखें।
- फ्रॉस्टबाइट/हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति को जितनी जल्दी हो चिकित्सा दिलाएँ।
- पशुओं को ठंड से बचाएँ।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- तमिलनाडु में: परिपक्व चावल और मूंगफली की फसल केवल साफ मौसम में काटें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। चावल, गन्ना, कपास, काला चना, मक्का और सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केला, दालचीनी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। केले के पौधों को लकड़ी के खंभों से सहारा दें ताकि वे न गिरें।
- केरल में: चावल, सब्जियों और केला, नारियल, इलायची, काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित करें। भारी वर्षा और तेज हवाओं से गिरने से बचाने के लिए केले के पौधों को सहारा दें।
- आंध्र प्रदेश में: परिपक्व चावल, मूंगफली और सब्जियों की फसल काटें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर ले जाएँ। चावल, मक्का, अरहर, कपास, सब्जियों और केले के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में: चावल की काटी गई उपज को ऊँचे ढके स्थानों पर रखें ताकि नमी से क्षति न हो। सब्जियों को जितनी जल्दी हो काट लें और पपीते के पौधों को खंभों से सहारा दें ताकि वे न गिरें।
- उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और झारखंड में: खड़ी फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम को हल्की और बार-बार सिंचाई करें। सब्जी नर्सरी और युवा फल पौधों को पुआल/पॉलीथीन शीट से ढकें ताकि मिट्टी का तापमान उचित रहे। केले के गुच्छों को 6% छिद्रित प्लास्टिक बैग से ढकें।

पशुधन / मुर्गीपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को बाड़े में रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारे और भूसे को सुरक्षित स्थान पर रखें ताकि खराब न हो।
- तालाबों के चारों ओर उचित जाली वाला निकास बनाएँ ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए और मछलियाँ न भागें।
- रात में मवेशियों को बाड़े में रखें और सूखी बिछावन प्रदान करें।

- ❖ मुर्गीशालाओं में चूजों को गर्म रखने के लिए कृत्रिम प्रकाश दें।

गरज/तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ (विभिन्न AMFUs द्वारा जारी IBF और सलाह के आधार पर)
- ❖ बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों, युवा फल पौधों/फलदार पौधों को खंभों से सहारा दें ताकि तेज हवाओं से वे न गिरें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- ➢ **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- ➢ **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ➢ **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ➢ **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ➢ **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- ➢ **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- ➢ **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

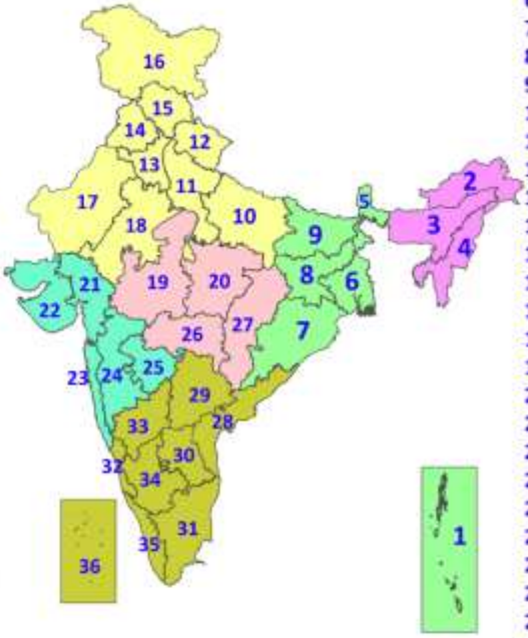

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)